एशिया और प्रशांत प्रौद्योगिकी अंतरण केन्द्र (एपीसीटीटी)

एशिया और प्रशांत प्रौद्योगिकी अंतरण केन्द्र (एपीसीटीटी)

1. प्रस्तावना

1. वर्ष 2015 में सतत विकास के लिए एजेंडा 2020 को सर्वसम्मति से अपनाया गया जिसके द्वारा वर्ष 2020 तक अधिक सुरक्षित और सतत विश्व द्वारा प्रयास करने के लिए संयुक्त राष्ट्रों के सदस्य देशों को आमंत्रित किया गया। सतत विकास के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचारों की प्रमुख उत्प्रेरकों के रूप में पहचान की गई, जो एजेंडा 2030 के अभिन्न अंग है।

(i) एपीसीटीटी, सदस्य देशों की विकास करने और राष्ट्रीय नवाचार प्रणालियों का प्रबंधन करने में उनकी क्षमताओं को सुदृढ़ करने के लिए सहायता करता हैय प्रौद्योगिकी का विकास, अंतरण, अनुकूलन और अनुप्रयोगय प्रौद्योगिकी अंतरण की शर्तों को उन्नत करता हैय और क्षेत्र से संगत प्रौद्योगिकियों के विकास और अंतरण का संवर्धन करने में सहायता करता है। केंद्र की गतिविधियां प्रत्यक्ष रूप से सतत विकास के लक्ष्य 9 (प्रत्यास्थी अवसंरचना का निर्माण, नवोन्मेषों को पोषित करने के लिए समावेशी और सतत औद्योगिकी का संवर्धन और 17 (सतत विकास के लिए वैश्विक भागीदारी को कार्यान्वित करने के साधनों का सुदृढ़ीकरण और पुनस्थापन) तथा अन्य लक्ष्य हैं।

(ii) रिपोर्टाधीन अवधि में एपीसीटीटी का प्रमुख ध्यान निम्न बिंदुओं पर केंद्रित हैः

(क) ध्वनि राष्ट्रीय नवोन्मेष प्रणालियों का सुदृढ़ीकरण और संवर्धन,

(ख) नई और उभरती प्रौद्योगिकियों का विकास, अंतरण, वाणिज्यीकरण और उन्हें अपनाने के लिए क्षमता निर्माण को सहायता,

(ग) विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवोन्मेष नीति, प्रौद्योगिकीय नवाचारों, प्रौद्योगिकी अंतरण और वाणिज्यीकरण, बौद्धिक संपदा प्रबंधन, बाजार विकासों और समारोहों, विज्ञान प्रौद्योगिकी और नवोन्मेषी नीति पर प्रकाशनों और ज्ञान उत्पादों का उत्पादन, प्रौद्योगिकी अंतरण और वाणिज्यीकरण, बौद्धिक संपदा प्रबंधन, नई और उभरती प्रौद्योगिकियां और अन्य संबंधित क्षेत्रों में सूचना का प्रसारण, तथा विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवोन्मेष, सीमा पार व्यापार और प्रौद्योगिकी अंतरण में क्षेत्रीय सहयोग तथा नेटवर्किंग का सरलीकरण।

(iii) वर्ष 2019 में, एपीसीटीटी ने 11 भागीदार संस्थाओं के सहयोग से 6 सदस्य देशों (भूटान, चीन, भारत, मलेशिया, थाईलैंड और उज्बेकिस्तान) में 10 मांग–संचालित क्षमता निर्माण गतिविधियां आयोजित कीं औरध्अथवा आयोजन में सक्रिय योगदान दिया। (अनुबंध–I) इन गतिविधियों में अंतरराष्ट्रीय कार्यशालाएं और सम्मेलन, क्षेत्रीय विचार–विमर्श, प्रशिक्षण कार्यशालाएं और अध्ययन मिशन शामिल हैं, केंद्र ने

लगभग 555 लक्ष्यों के प्रतिभागियों, जैसे विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार नीति निर्माता और लघु और मध्यम उद्यमियों, शिक्षा संस्थानों, अनुसंधान और विकास संस्थाओं, प्रौद्योगिकी संवर्धन एजेंसियों और प्रौद्योगिकी अंतरण मध्यस्थों तक अपनी पहुंच बनाई है।

(iv) एपीसीटीटी को एशिया–प्रशांत सदस्य देशों नामतः बांग्लादेश, भूटान, कंबोडिया, चीन, फिजि आईलैंड, भारत, इंडोनेशिया, इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान, इजरायल, ईराक, जापान, कजाकिस्तान, लाओ पीपुल्स डेमोक्रेटिक रिपब्लिक, मलेशिया, म्यांमार, नेपाल, पाकिस्तान, फिलिपिंस, कोरिया गणराज्य, समोआ, श्रीलंका, थाईलैंड, तिमोर लॉस्टे, उज्बेकिस्तान और वियतनाम से लाभ प्राप्त हुआ जिन्होंने अन्य लक्ष्य प्रतिभागियों के साथ अपने क्षेत्रों की जानकारी अनुभव, और श्रेष्ठ पद्धतियां सांझा की। केंद्र की गतिविधियों को फिनलैंड और यूरोपीय संयुक्त राष्ट्र आर्थिक आयोग के विशेषज्ञों द्वारा लाभ प्राप्त हुआ। भारत सरकार द्वारा आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से केंद्र ने अनेक अफ्रीकी देशों, नामतः बोत्सवाना, इथोपिया, मिस्र, माली, मोरोक्को, नाइजर, नाइजीरिया, सेनेगल, दक्षिण अफ्रीका, दक्षिणी सूडान, तंजानिया और जिंबाब्वे के पणधारियों के क्षमता निर्माण में योगदान दिया।

(v) एपीसीटीटी की ऑनलाइन आवधिक पत्रिका 'एशिया–प्रशांत टेक मॉनिटर' में प्रौद्योगिकी के रूखों और विकासों, विज्ञान, प्रौद्योगिकी तथा नवाचार नीतियों, प्रौद्योगिकी बाजार, नवोन्मेष प्रबंधनय तथा प्रौद्योगिकी अंतरण जैसे विषयों पर अद्यतन सूचना प्रदान की।

(vi) इस अवधि के दौरान, एपीसीटीटी ने अपनी प्रौद्योगिकी अंतरण और वाणिज्यीकरण पर क्षमता निर्माण गतिविधियों का विस्तार मध्य एशिया देशों जैसे कजाकिस्तान और उज्बेकिस्तान तक किया।

(vii) इस अवधि के दौरान, केंद्र ने सब से कम विकसित देशों जैसे बांग्लादेश, भूटान, कंबोडिया, लाओ पीपुल्स डेमोक्रेटिक रिपब्लिक, म्यांमार और नेपाल के पणधारियों की क्षमता को सुदृढ़ किया, जिससे केंद्र की गतिविधियां लाभान्वित हुई।

2. वर्ष 2019 में क्षमता निर्माण गतिविधियों के प्रमुख परिणाम

क. राष्ट्रीय नवोन्मेष प्रणालियों का सुदृढ़ीकरण (एनआईएस)

एपीसीटीटी ने प्रौद्योगिकी नवाचार, प्रौद्योगिकी आधारित उद्यमशीलता और लघु और मध्यम उद्यमियों की प्रतिस्पर्धात्मकता को पोषित करने के लिए क्षमता निर्माण में सहायता प्रदान की। केंद्र द्वारा चलाई गई प्रमुख गतिविधियों और/अथवा अंशदान दी गई गतिविधियां निम्नानुसार हैं:

(क) जमीनी स्तर के नवाचार की नीतियों पर कार्यशाला, 27 जनवरी 2019 अहमदाबाद, भारतः भारतीय प्रबंधन संस्थान, अहमदाबाद, अनुसंधान और सतत प्रौद्योगिकी शुरुआत

संस्थान सोसाइटी और जमीनी स्तर के नवोन्मेष संवर्धन नेटवर्क भारत के सहयोग से एस्केप के व्यापार निवेश और नवोन्मेष प्रभाग द्वारा आयोजित इस समारोह को केंद्र ने सहायता प्रदान की। केंद्र ने अपनी ऑनलाइन क्रियाविधि और प्रौद्योगिकी अंतरण मंचों को दर्शाया तथा केंद्र अपने सदस्य देशों में जमीनी नवोन्मेषों के प्रसारण को किस प्रकार सहायता देता है इसे भी दर्शाया। केंद्र ने एशिया–प्रशांत क्षेत्र के देशों में जमीनी नवोन्मेषों के संवर्धन के लिए इसकी आवश्यकताओं और अवसरों पर केंद्रित करते हुए ग्रुप चर्चाओं में भी योगदान दिया। इस कार्यशाला द्वारा 42 प्रतिभागियों, जिनमें बांग्लादेश, कंबोडिया, भारत, इंडोनेशिया, मलेशिया, माली, म्यांमार, नेपाल, फिलीपींस, समोआ, श्रीलंका, तिमोर लेस्टी और यूनाइटेड किंगडम के विशेषज्ञ और नीति निर्माता शामिल थे, की जानकारी और सूझबूझ को बढ़ाने में योगदान दिया गया।

(ख) बौद्धिक संपदा प्रबंधन और प्रौद्योगिकी लाइसेंसिंग पर अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला, 18–20 जून 2019 बैंकॉक, थाईलैंडः केंद्र ने, इस अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन उच्च शिक्षण विज्ञान, अनुसंधान और नवोन्मेष, थाईलैंड और थाईलैंड इंस्टिट्यूट ऑफ साइंटिफिक एंड टेक्नोलॉजीकल रिसर्च के सहयोग से किया। इस कार्यशाला में समावेशी और सतत विकास के लिए बौद्धिक संपदा प्रबंधन के लिए नीतिगत ढांचा कार्य को समर्थ बनाने पर विचार–विमर्श किया गया। विश्वविद्यालयों और अनुसंधान और विकास संस्थानों में बौद्धिक संपदा आयोजन और पोर्टफोलियो प्रबंधन, व्यापार केंद्रित बौद्धिक संपदा प्रबंधनय और प्रौद्योगिकी लाइसेंसिंग और अंतरण पर विचार विमर्श किया गया। मामला अध्ययन और श्रेष्ठतम पद्धतियों को स्पीकरों द्वारा भी साझा किया गया। इस कार्यशाला से 44 प्रतिभागियों, जिसमें बांग्लादेश, भूटान, कंबोडिया, भारत, इस्लामिक ईरान गणराज्य, लाओ पीपुल्स डेमोक्रेटिक रिपब्लिक, म्यांमार, कोरिया गणराज्य, थाईलैंड और वियतनाम के नीतिनिर्माता और विशेषज्ञ शामिल थे, के ज्ञान, सूझबूझ और कौशल का संवर्धन हुआ।

विशेषज्ञों ने बौद्धिक संपदा प्रबंधन और प्रौद्योगिकी लाइसेंसिंग से संबंधित अपनी प्रत्याशाओं और अनुभवों को साझा किया। व्यापारिक लक्ष्यों के साथ बौद्धिक संपदा संरेखण और प्रौद्योगिकी लाइसेंसिंग की धाराओं के प्रारूपण पर शक्तियों, कमजोरियों अवसरों और चेतावनी (एसडबल्यूओटी) पर समूह प्रयास आयोजित किए गए। थाईलैंड साइंस पार्क पाथम थानी, थाईलैंड स्थित राष्ट्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी विकास अभिकरण के प्रौद्योगिकी लाइसेंसिंग कार्यालय क्षेत्रीय दौरा किया गया।

(ग) कार्य कौशल, प्रौद्योगिकी और भविष्य पर प्रशिक्षण कार्यशाला, 8–12 जुलाई, 2019: केंद्र ने वी.वी. गिरि राष्ट्रीय श्रम संस्थान, श्रम मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित इस समारोह के लिए सहायता प्रदान की। इस

प्रशिक्षण कार्यक्रम द्वारा भारत के औद्योगिक क्षेत्रों के लगभग 20 अधिकारियों और प्रबंधकों के कौशल और सक्षमताओं का सुदृढ़ीकरण किया गया। इस प्रशिक्षण में शामिल विषयों में वैब आधारित मंच और उपकरण प्रौद्योगिकी अंतरण और बाजार संबंधों, सीमापार प्रौद्योगिकी अंतरण सरलीकरण क्रियाविधियों, नवाचार और प्रौद्योगिकी अंतरण के लिए नॉलेज नेटवर्क शामिल हैं।

(घ) कौशल विकास और रोजगार सृजन पर अंतरराष्ट्रीय परीक्षण कार्यक्रम 20 सितंबर, 2019 नोएडा, भारतः केंद्र ने वी.वी. गिरि राष्ट्रीय श्रम संस्थान, श्रम मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के आयोजन में योगदान दिया। इस कार्यक्रम को विदेश कार्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोगध्अफ्रीका कार्यक्रम के लिए विशेष कॉमनवेल्थ सहायता के तहत सहायता दी गई। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम द्वारा प्रतिभागी बोत्सवाना, इथोपिया, मिस्र, मोरक्को, नाइजर, नाइजीरिया, फिलीपींस, सेनेगल, दक्षिण अफ्रीका, दक्षिणी सूडान, थाईलैंड, श्रीलंका, ईराक, तंजानिया, उज्बेकिस्तान और जिंबाब्वे के 25 सरकारी अधिकारियों नीति निर्माताओं और विश्वविद्यालयों के संकायों के ज्ञान और कौशल सुदृढ़ीकरण के लिए योगदान दिया गया। केंद्र ने प्रौद्योगिकी अंतरण और बाजार संबंधों, प्रौद्योगिकी अंतरण, सरलीकरण क्रियाविधि, नवोन्मेषों और प्रौद्योगिकी अंतरण के लिए नॉलेज नेटवर्कों, विश्वविद्यालय–उद्योग भागीदारी और प्रौद्योगिकी आधारित उद्यमशीलता और स्टार्ट–अपों के लिए वेब आधारित मंचों और उपकरणों पर क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय अनुभव साझा किए।

(ड) नवोन्मेष और प्रौद्योगिकी अंतरण पर क्षेत्रीय कार्यशालाः बौद्धिक संपदा की भूमिका, 30–31 अक्टूबर, 2019 ताशकंत, उज्बेकिस्तानः केंद्र ने नवोन्मेष विकास मंत्रालय, उज्बेकिस्तान गणराज्य के साथ मिलकर इस क्षेत्रीय कार्यशाला का आयोजन किया। यह कार्यशाला चलाई जा रही तकनीकी सहयोग परियोजना "एशिया–प्रशांत क्षेत्र में विज्ञान, टेक्नोलॉजी और नवोन्मेष नीतियों के लिए दक्षिण–दक्षिण सहयोग" का एक भाग है और इसका निधीयन संयुक्त राष्ट्र विकास निधि द्वारा किया गया। इस कार्यशाला में भारत, इजराइल, कजाकिस्तान, फिलीपींस, मलेशिया, उज्बेकिस्तान के नीतिनिर्माता और विशेषज्ञ तथा यूरोपीय संयुक्त राष्ट्र आर्थिक आयोग के साथ विचार–विमर्श करने के लिए एक साथ जुड़ेंगे जो इन विषय पर चर्चा करेंगेः

सामाजिक रूप से उत्तरदायी प्रौद्योगिकी अंतरण और बौद्धिक संपदा नीतियां और रणनीतियां, बौद्धिक संपदा प्रबंधन और प्रौद्योगिकी अंतरण – व्यापारिक मॉडल तथा श्रेष्ठतम पद्धतियां और उद्योग के संबंधों को बढ़ावा देना, प्रौद्योगिकी अंतरण तथा क्षेत्रीय सहयोग। इस कार्यशाला द्वारा लगभग 80 प्रतिभागियों, जिसमें विशेषज्ञ, नीतिनिर्माता और निजी क्षेत्र के प्रौद्योगिकी लाइसेंसिंग

/ अंतरण कार्यालय, प्रौद्योगिकी आधारित उद्यमियों, विश्वविद्यालयों, अनुसंधान और विकास संस्थाओं, शिक्षाविदों तथा नवप्रवर्तकों के विशेषज्ञों, नीति निर्माताओं तथा प्रतिनिधियों के ज्ञान, कौशल और सक्षमताओं का संवर्धन करने के लिए योगदान दिया गया।

ख. नई और उभरती प्रौद्योगिकियों का संवर्धन

सतत विकास के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए उभरती प्रौद्योगिकियों पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, 5 नवंबर 2019, कुआला लंपुर, मलेशियाः यह अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, मलेशिया के ऊर्जा विज्ञान, प्रौद्योगिकी, पर्यावरण तथा जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के साथ मिलकर आयोजित किया गया। इस सम्मेलन का उद्देश्य नई और उभरती प्रौद्योगिकियों, जैसे सतत विकास के लिए चौथा औद्योगिक संकल्प तथा नवीकरणीय ऊर्जा प्रौद्योगिकियों पर जागरूकता का सरलीकरण करना है। इस सम्मेलन द्वारा एशिया और प्रशांत में नीतिनिर्माताओं के बीच सहयोग को बढ़ावा देने के लिए जिसमें उभरती प्रौद्योगिकियों से संबंधित विभिन्न पहलुओं में सन्निहित सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के संगठनों के प्रतिनिधियों, शिक्षाविदों, गैर–सरकारी संगठनों तथा विशेषज्ञों को एक मंच मुहैया कराया गया। इस सम्मेलन द्वारा 118 प्रतिभागियों के ज्ञान और सूझबूझ का संवर्धन किया गया जिसमें बांग्लादेश, चीन, भारत, इंडोनेशिया, इस्लामिक ईरान गणराज्य, जापान, मलेशिया, पाकिस्तान, फिलिपींस, कोरिया गणराज्य, सिंगापुर, श्रीलंका, थाईलैंड, यूएसए और उज्बेकिस्तान के वरिष्ठ सरकारी अधिकारी और विशेषज्ञ शामिल थे।

ग. प्रौद्योगिकी अंतरण क्षमता निर्माण सहायता

रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान, केंद्र द्वारा निम्नलिखित क्षमता निर्माण गतिविधियां आयोजित की गई

(क) राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी अंतरण आंकड़ा आधार का एक ब्लूप्रिंट ढांचा विकसित करने के लिए भूटान का अध्ययन मिशन, 9–10 अप्रैल, 2019 थिंपू, भूटानः केंद्र ने भूटान के कुटीर और लघु उद्योग विभाग को एक ब्लूप्रिंट ढांचा तैयार करने और राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी अंतरण आंकड़ा आधार के विषयों पर कुटीर और लघु उद्योग विभाग से रायशुमारी प्राप्त करने के लिए सहायता प्रदान करने के लिए एक मिशन चलाया। मिशन के दौरान, केंद्र ने भूटान के लिए राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी अंतरण आंकड़ा आधार का ब्लू प्रिंट तैयार करने के बारे में भूटान के 17 प्रमुख सरकारी विभागों और निजी क्षेत्र के पणधारियों के साथ विचार–विमर्श किया। शामिल हुए पणधारियों में आर्थिक कार्य मंत्रालय की कुटीर और लघु उद्योग विभाग, आर्थिक कार्य मंत्रालय के बौद्धिक संपदा विभाग, भूटान रॉयल मौद्रिक प्राधिकरण, भूटान चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीय वाणिज्य विभाग, आर्थिक कार्य मंत्रालय, भूटान तथा भूटान के आर्थिक कार्य मंत्रालय के सूचना और संचार प्रौद्योगिकी प्रभाग शामिल थे। केंद्र ने, अपनी ऑनलाइन प्रौद्योगिकी अंतरण आंकड़ा

आधार अवसंरचना और इसके विषयों पर एक तकनीकी प्रस्तुति दी तथा कुटीर और लघु उद्योग विभाग भूटान के लिए राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी अंतरण आंकड़ा आधार का एक ब्लूप्रिंट विकसित करने के लिए विचारों पर चर्चा की। पणधारियों के साथ विचार–विमर्श के दौरान, एक सहमति बनी कि पहले भूटान के कुटीर और लघु उद्योग और स्टार्टअप की मशीनरी और उपकरणों की आवश्यकता पर सूचना समेकित करने के लिए एक "प्रौद्योगिकी अनुरोध आंकड़ा आधार" विकसित किया जाए, जो सम्भावित सप्लाईकर्ताओं को खोजने में सहायक होगा। रॉयल भूटान सरकार के साथ केन्द्र के सतत प्रयासों और कार्यों के परिणामस्वरूप, भूटान की कुटीर और लघु उद्योग नीति में सीएसआई के प्रौद्योगिकी आंकड़ा आधार का विकास करना शामिल किया गया (अर्थात् धारा 6.5.2) जो जुलाई 2019 में प्रकाशित हुआ और भूटान आर्थिक नवाचारी रूपांतरण मंच 2019 के दौरान इसका विमोचन किया गया। इस उद्देश्य की दिशा में, केन्द्र द्वारा विकसित भूटान के लिए राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी अंतरण आंकड़ा आधार के ब्लूप्रिंट पर पणधारियों के बीच विचार–विमर्श किया गया और कुटीर और लघु उद्योग विभाग द्वारा स्वीकार किया गया।

(ख) दक्षिण और दक्षिण पूर्वी एशिया प्रौद्योगिकी अंतरण मैचमेकिंग सम्मेलन, 13–14 जून, 2019, क्युमिंग, चीनः केन्द्र ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, चीन और चीन के युननान प्रांत के गणराज्य द्वारा आयोजित इस समारोह के लिए सहायता प्रदान की। इस सम्मेलन का उद्देश्य प्रौद्योगिकी अंतरण और वाणिज्यीकरण में क्षेत्रीय सहयोग को सुदृढ़ बनाना था। इसने प्रतिभागी संस्थानों और उद्यमियों के बीच एक–एक करके बिजनेस मैचमेकिंग, ठोस प्रौद्योगिकी अंतरणों का सरलीकरण किया। इस सम्मेलन द्वारा सरकारी विभागों, विज्ञान और प्रौद्योगिकी प्राधिकरणों, प्रौद्योगिकी अंतरण अभिकरणों, औद्योगिक परिसंघों, व्यापारियों, शिक्षाविदों और चीन तथा दक्षिण पूर्वी एशियाई देशों के संस्थानों के 67 प्रतिभागियों के ज्ञान संवर्धन के लिए योगदान दिया गया।

(ग) प्रौद्योगिकी अंतरण और वाणिज्यीकरण में नए प्रतिमानों पर क्षेत्रीय कार्यशाला, 8–10 जुलाई, 2019, गाजियाबाद, भारतः केंद्र ने इस क्षेत्रीय कार्यशाला का आयोजन मानव संसाधन विकास केंद्र, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद, भारत सरकार के साथ मिलकर किया। इस कार्यशाला द्वारा 45 प्रतिभागियों के ज्ञान और क्षमता का संवर्धन किया गया, जिसमें भारत के प्रमुख सार्वजनिक अनुसंधान संस्थानों के वैज्ञानिक एवं व्यापार विकास प्रबंधक शामिल थे। इस कार्यशाला द्वारा नीति निर्माताओं अनुसंधान और विकास संस्थाओं तथा संबंधित पणधारियों के बीच वार्ता का सरलीकरण किया गया और प्रौद्योगिकी अंतरण और वाणिज्यीकरण, प्रौद्योगिकी आधारित उद्यमियों और स्टार्टअप, बौद्धिक संपदा प्रबंधन और लाइसेंसिंग पर अनुभव साझा करने की सुविधा दी गई। फिनलैंड, भारत, इंडोनेशिया और श्रीलंका के

विशेषज्ञ और संसाधन सम्पन्न व्यक्तियों ने इस कार्यशाला में भागीदारी की और अपना ज्ञान, अनुभव और श्रेष्ठतम पद्धतियों के बारे में विचार साझा किए।

(घ) समावेशी विकास के लिए प्रौद्योगिकी अंतरण की आयोजना और प्रबंधन पर क्षेत्रीय कार्यशाला, 16–18 जुलाई 2019 थिंपू, भूटानः केंद्र ने क्षेत्रीय कार्यशाला का आयोजन, रॉयल मौद्रिक भूटान प्राधिकरण द्वारा आयोजित नवोन्मेषी रूपांतरण के लिए आर्थिक रूपांतरण भूटान आर्थिक मंच के सहयोग से किया। यह कार्यशाला कुटीर और लघु उद्योग, आर्थिक कार्य मंत्रालय और रॉयल गवर्नमेंट ऑफ भूटान के साथ मिलकर आयोजित की गई। इस कार्यशाला द्वारा 83 प्रतिभागियों की ज्ञान और कौशल संवर्धन में योगदान दिया गया, जिसमें भूटान, भारत, नेपाल और थाईलैंड के विशेषज्ञ शामिल थे, जिन्होंने प्रौद्योगिकी अंतरण पर सीमापार के सहयोग को बढ़ाने की रणनीति पर चर्चा की, ताकि भूटान में कुटीर और लघु उद्योगों को सुदृढ़ बनाया जा सके। भूटान के प्रतिभागियों में आर्थिक कार्य मंत्रालय के अधिकारी, जिला गवर्नर भूटान रॉयल विश्वविद्यालय के कॉलेजों, उद्योगों, व्यापार विकास संगठनों, स्टार्ट–अप और भूटान में कुटीर और लघु उद्योगों के संवर्धन में लगे हुए स्टार्ट–अप और उद्यमी शामिल थे। संसाधन व्यक्तियों, विशेषज्ञों और सदस्य देशों के प्रतिभागियों ने कुटीर और लघु उद्योगों के संवर्धन के लिए प्रौद्योगिकी अंतरण से संबंधित अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्यों को भी शामिल किया गया। वक्ताओं द्वारा मामलों और अध्ययनों और श्रेष्ठतम पद्धतियों को भी सांझा किया गया। इस कार्यशाला में भूटान के कुटीर और लघु उद्योगों की आवश्यकताओं से संबंधित प्रौद्योगिकी और मशीनरी प्रदान करने के लिए राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी अनुरोध आंकड़ा आधार तैयार करने के लिए केंद्र द्वारा विकसित ब्लूप्रिंट की समीक्षा की गई और उस पर चर्चा की गई।

(ड) चीन के उद्योग शिष्टमंडल का दौरा, 8 दिसंबर, 2018 और 25 सितंबर, 2019:

चीन के 13 सदस्यों के दो उद्योग शिष्टमंडलों ने प्रौद्योगिकी अंतरण और वाणिज्यीकरण पर केंद्र के प्रौद्योगिकी आंकड़ा आधार और क्षमता निर्माण की गतिविधियों के बारे में जानने के लिए केंद्र का दौरा किया। इस शिष्टमंडल में यूनान हाईटेक एंटरप्राइजेस और चौंग किंग रिन्यूएबल एनर्जी सोसाइटी चीन के प्रतिनिधि शामिल थेद्य केंद्र ने अपने प्रौद्योगिकी अंतरण और लाइन टूल्स तथा मंचों से संबंधित कार्यक्रम पर उनका ज्ञानवर्धन किया ताकि सीमापार भागीदारी और विभिन्न ज्ञान नेटवर्क, जो केंद्र द्वारा स्थापित किए गए हैं, का सरलीकरण किया जा सके।

(घ) प्रकाशनों के माध्यम से प्रौद्योगिकी बौद्धिकता मुहैया कराना

केंद्र, अपने प्रौद्योगिकी बौद्धिक कार्यक्रम के माध्यम से हालिया प्रौद्योगिकीय रूखों और विकासों पर सूचना का प्रसारण करता

है, ताकि नीति निर्माताओं, संस्थाओं और प्रौद्योगिकी अंतरण मध्यस्थों को क्षेत्र की व्यापार और प्रौद्योगिकी सहयोग की चुनौतियों को दूर करने में सहायता की जा सकेद्य ऑनलाइन आवधिक (www.techmonitor.com) एशिया–प्रशांत टेक मॉनिटर में अद्यतन प्रौद्योगिकी रूखों और विकासों, प्रौद्योगिकी नीतियों, प्रौद्योगिकी बाजार, नवोन्मेष प्रबंधन, प्रौद्योगिकी अंतरण और नए उत्पादों तथा प्रक्रिया पर लेख दिए गए हैं। अनुबंध–II में रिपोर्टाधीन अवधि में केंद्र के प्रकाशनों की सूची दी गई है।

– केंद्र ने, विशिष्ट उद्देश्यों जैसे एशिया और प्रशांत में जैव प्रौद्योगिकी, वाणिज्यिकरण और अंतरण (अक्टूबर–दिसंबर, 2018), समावेशन और साम्यता के लिए प्रौद्योगिकियां (जनवरी–मार्च, 2019), जो मई, 2019 में आयोजित 75वां एस्केप आयोग सत्र के उद्देश्य के समर्थन में था। समावेशी और सतत विकास के लिए चौथी औद्योगिक क्रांति प्रौद्योगिकियां (अप्रैल–जून, 2019), हरित प्रौद्योगिकियों का संवर्धन एशिया–प्रशांत में समावेशी क्रियाविधि और प्रतिभागिता का संवर्धन (जुलाई–सितंबर, 2019), तथा एशिया–प्रशांत में प्रौद्योगिकी आधारित स्टार्ट–अप (अक्टूबर–दिसंबर, 2019) विशिष्ट उद्देश्यों पर केंद्रित टेक मॉनिटर के 5 अंक प्रकाशित किए। टेक मॉनिटर के अंकों में 18 लेख दिए गए जिनके लिए ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, कंबोडिया, भारत, मलेशिया, नेपाल, फिलीपींस और कोरिया गणराज्य के 26 लेखकों/विशेषज्ञों ने योगदान दिया। इन लेखों में विशेष उद्देश्य से संबंधित संवेदनशील पहलुओं के बारे में आंकड़ा और विश्लेषण दिया गया है और क्षेत्र के भीतर और बाहर के मामला अध्ययन तथा श्रेष्ठतम पद्धतियों को शामिल किया गया है। इन आवधिक पत्रिकाओं में स्टार्ट–अप, लघु और मध्यम उद्यमियों के लिए उपयोगी दिशा–निर्देश, श्रेष्ठतम पद्धतियों पर छोटे–छोटे लेख प्रसारित किए गए हैं, 39 चुनिंदा प्रौद्योगिकी पेशकश, चीन, फ्रांस, जर्मनी, हंगरी, भारत, फिलीपींस, पेरु, पोलैंड, श्रीलंका, थाईलैंड और यूनाइटेड किंगडम जैसे देशों के बीच 20 प्रौद्योगिकी अनुरोध दिए गए हैं।

– केंद्र ने, सदस्य देशों और क्षेत्र के बाहर के देशों के सदस्य देशों के पाठकों के साथ ऑनलाइन एशिया–प्रशांत टेक मॉनिटर को भी साझा किया। इस अवधि के दौरान, एक मॉनिटर के वैब–रूपांतर को सदस्य देशों के 1,587 प्रमुख पणधारियों और ई–अंशदाताओं के बीच वितरित किया गया। इसके अतिरिक्त, दिसंबर, 2018 से सितंबर, 2019 तक ऑनलाइन टैक मॉनिटर आवधिक पत्रिका को 2,935 ग्राहकों ने देखा। सर्वाधिक देखने वाले देश थे– चीन, भारत, जापान, मलेशिया, फिलीपींस, कोरिया गणराज्य, थाईलैंड, संयुक्त राज्य और वियतनाम तथा अन्य देशद्य केंद्र ने ई–आवधिक जर्नलों को सोशल मीडिया के मंचों से प्रसारित किया, जैसे फेसबुक और ट्विटर। टेक मॉनिटर की मुद्रित प्रतियाँ क्षमता निर्माण की कार्यशालाओं और सम्मेलनों में प्रतिभागियों के बीच भी वितरित की गई।

– केंद्र, एशिया–प्रशांत क्षेत्र में विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवोन्मेष नीतियों के लिए "दक्षिण–दक्षिण सहयोग" शीर्षक से संयुक्त राष्ट्र विकास लेखा परियोजना के 10वें ट्रांच के तहत बौद्धिक संपदा प्रबंधन और प्रौद्योगिकी लाइसेंसिंग पर एक प्रकाशन और प्रशिक्षण नियमावली (पावर पॉइंट प्रस्तुतीकरण) तैयार कर रहा हैद्य इस प्रकाशन और प्रशिक्षण नियमावली में ये अध्याय शामिल हैं: समावेशी और सतत विकास के लिए बौद्धिक संपदा प्रबंधन और प्रौद्योगिकी लाइसेंसिंग के लिए नीतिगत ढांचों और उपकरणों को समर्थ बनाना, बौद्धिक संपदा परिसंपत्तियां और ज्ञान अर्थव्यवस्था, बौद्धिक संपदा पोर्टफोलियो प्रबंधन, बौद्धिक संपदा आयोजना, व्यापार केन्द्रित बौद्धिक संपदा प्रबंधन, बौद्धिक संपदा प्रबंधन उपकरण, प्रौद्योगिकी अंतरण और लाइसेंस तथा विधिक रणनीति और विवाद समाधान पद्धतियां। इस प्रकाशन और नियमावली के लक्षित उपयोगकर्ताओं में नीति निर्माता, प्रौद्योगिकी लाइसेंसिंग / अंतरण कार्यालयों के प्रबंधक और निजी क्षेत्र के उद्यमी शामिल हैं।

(ड) ईएससीएपी कार्यक्रमों और प्रभावों के साथ सहयोग

ईएससीएपी का 75वां आयोग सत्र, 27 से 31 मई, 2019, बैंकॉक, थाईलैंड: केंद्र ने, बैंकॉक में आयोजित शासी निकाय के चौदहवें सत्र पर एक रिपोर्ट तैयार की और आयोग को भेजी। केंद्र के कार्यकलापों पर 75वें आयोग सत्र के निष्कर्ष निम्नलिखित हैं:

(क) केंद्र ने अपने 14वें सत्र (ईएससीएपी/75/19) (निर्णय 75/6) पर एशिया और प्रशांत प्रौद्योगिकी अंतरण केंद्र के शासी निकाय की रिपोर्ट पृष्ठांकित की।

(ख) आयोग ने एशिया और प्रशांत प्रौद्योगिकी अंतरण केंद्र (ईएससीएपी/75/29) के मूल्यांकन पर ध्यान दिया और एशिया और प्रशांत प्रौद्योगिकी अंतरण केंद्र (ESCAP/75/INF/3) (निर्णय 75/14) के मूल्यांकन रिपोर्ट की टिप्पणी को संज्ञान में लिया।

(ग) आयोग ने सचिवालय द्वारा भागीदारों अधि बजटीय योगदानों और क्षमता विकास (ईएससीएपी/75/28) का संज्ञान लिया और सदस्यों और सहयोगी सदस्यों द्वारा 2019 के लिए शपथ ली गई तथा निम्नलिखित योगदानों के लिए सराहना व्यक्ति की। (निर्णय 75/13) ये हैं: चीन ($30000), भारत ($400000), इंडोनेशिया ($10000), मकाओ, चीन ($5000) और थाईलैंड ($15000)।

(घ) आयोग ने पुनः यह सुनिश्चित किया कि एशिया–प्रशांत आर्थिक सामाजिक आयोग, संयुक्त राष्ट्र प्रणाली में एक अति उपयुक्त क्षेत्रीय मंच है (ई/2019/39 ईएससीएपी/75/35/2बी19–00586) जिससे विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवोन्मेष नीतियां विशेषकर एशिया–प्रशांत में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी, विज्ञान, प्रौद्योगिकी तथा नवोन्मेष पर इसकी समिति के माध्यम से सदस्य राज्यों के बीच वार्ता और सहयोग को प्रोत्साहन दिया जा सके।

(ड) आयोग द्वारा सदस्य राज्यों को, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवोन्मेष, जिसमें स्वैच्छिक और आपसी रूप से सहमत शर्तों पर जानकारी साझा करना शामिल है, के उन्नयन के लिए उत्तर–दक्षिण, दक्षिण–दक्षिण तथा त्रिभुजीय, क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय सहयोग बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया गया (संकल्प 75/8)।

(च) आयोग के सतत विकास लक्ष्यों को यथोचित रूप से प्राप्त करने के लिए राष्ट्रीय विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवोन्मेषी मार्ग मानचित्रों, नीतियों और रणनीतियों के विकास और अनुकूलन पर विचार करने के लिए सदस्य देशों को आमंत्रित किया (संकल्प 75/8)।

(छ) केंद्र ने 75वें आयोग सत्र, जो 27–31मई के बीच यूएनसीसी, ईएससीएपी, बैंकॉक, थाईलैंड में आयोजित हुआ था, में एक प्रदर्शनी में अपनी गतिविधियों और उपलब्धियों के बारे में सूचना के प्रसारण के लिए एक बूथ का आयोजन एवं प्रबंधन किया।

च. संयुक्त राष्ट्र संगठनों, अंतरराष्ट्रीय संगठनों और अन्य भागीदारों के साथ सहयोग : इस अवधि के दौरान, केंद्र द्वारा संयुक्त राष्ट्र अभिकरणों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों, जिनमें संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम भूटान, संयुक्त राष्ट्र यूरोप आर्थिक कार्य आयोग, ईएससीएपी व्यापार विनिवेश और नवोन्मेष प्रभाग शामिल हैं, सदस्य देशों में क्षमता निर्माण की गतिविधियों को कार्यान्वित करने के साथ–साथ संयुक्त गतिविधियां आयोजित की गईं / निकट संपर्क से कार्य किया।

छ. संसाधन संचारण गतिविधियां

एपीसीटीटी ने रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान निम्नलिखित संसाधन संचारण के प्रयास किए:

(क) आतिथेय देश का योगदानः केंद्र ने कार्यकारी सचिव, रणनीति और कार्यक्रम प्रबंधन प्रभाग ईएससीएपी के साथ तथा वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय तथा विदेश कार्य मंत्रालय, भारत सरकार के साथ केंद्र की संस्थागत सहायता में वृद्धि करने के लिए सक्रिय रूप से चर्चा कीद्य परिणामस्वरूप भारत सरकार ने केंद्र को मई, 2019 में ईएससीएपी के 75वें सत्र में केंद्र के आतिथेय देशों के योगदान को यूएस $400,000 तक सहर्ष बढ़ाने की घोषणा कर दी।

(ख) अन्य सदस्य राज्यों से योगदानः जनवरी से दिसंबर, 2019 तक की अवधि के दौरान, निम्नलिखित देशों से कुल यूएस $182,496 प्राप्त हुए– बांग्लादेश, चीन, इंडोनेशिया, मकाओ, मलेशिया, पाकिस्तान, दि फिलीपींस, कोरिया गणराज्य, श्रीलंका, उज्बेकिस्तान और वियतनामद्य उच्च स्तरीय अधिकारियों के सक्रिय कार्य विनियोजनों और उनके साथ चर्चाओं के परिणामस्वरूप, उज्बेकिस्तान गणराज्य ने वार्षिक अंशदान के साथ केंद्र की गतिविधियों में शामिल होना आरंभ कर दिया।

(ग) सदस्य राज्यों से वस्तुओं के रूप में योगदानः

रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान, केंद्र को सदस्य देशों (नामतः भूटान, चीन, भारत, मलेशिया, उज्बेकिस्तान और थाईलैंड) से जिन्स के रूप में सहायता और अंशदान की राशि, जो लगभग यूएस $50,000 के समतुल्य थी, अपने देशों में कार्यक्रम संबंधी गतिविधियां आयोजित करने के लिए सफलता पूर्वक प्राप्त हुई।

(घ) केंद्र की संसाधन संचारण रणनीतिः केंद्र ने ईएससीएपी के रणनीति और कार्यक्रम प्रबंधन प्रभाग के साथ विचार–विमर्श से संसाधन संचारण रणनीतिगत पेपर तैयार किए। ये रणनीतिगत पेपर केंद्र के संसाधन संचारण के प्रमुख पहलुओं पर विचार–विमर्श करने के परिणामस्वरूप तैयार किए गए थेः विजन का रूपरेखा चित्रण, रणनीतिगत प्राथमिकताओं की पहचान करना, संसाधन संचारण उद्देश्यों को परिभाषित करनाय संसाधन संचारण आधार को विस्तृत करनाय और संसाधन संरक्षण प्रणालियों की समीक्षा करना और रणनीति कार्य की पहचान करना।

ज. डिजिटीय आउटरीच

केंद्र ने डिजिटीय उपकरणों द्वारा पणधारियों, नीति निर्माताओं और संस्थाओं तक अपनी आउटरीच को विस्तार दिया, जिनमें शामिल हैं– ट्विटर (twiter-comèUNAPCTT), फेसबुक (facebook-comèUNAPCTT), लिंक्डइन (एशिया और प्रशांत में आरई मैपिंग)। केंद्र ने अपनी गतिविधियों और कार्यक्रमों के परिणामों के बारें में सूचना को ईएससीएपी समाचार पत्रों और ट्विटर अपडेट के माध्यम के प्रसारित करने के लिए ईएससीएपी के रणनीतिक संचार और परामर्शी प्रभाग के साथ भी समन्वित किया।